जमुनिया पठार में वेकोलि की कार्रवाई पर बवाल, किसानों ने लगाया जबरन कब्जे का आरोप

ना मिली नौकरी, ना मिला मुआवजा जबरन कब्जा कर रहा वेकोलि प्रबंधन

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

वेस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड (वेकोलि) प्रबंधन की समय - समय पर मनमानीपूर्ण रवैए सामने आते है। बीते शुक्रवार को एक बार फिर प्रबंधन की मनमानी का उदाहरण सामने आया है । प्रबंधन के के अधिकारी पुलिस और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जमुनिया पठार पहुंचे । यहां किसानों की जमीन पर जबरन कब्जा किया गया । किसानों का आरोप है , कि उनकी जमीन के बदले उन्हें न तो आश्रितों को नौकरी मिली है और न मुआवजा । किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं और प्रबंधन की इस करवाई को गुंडई बता रहे हैं ।गौरतलब है , कि वर्ष 2012 में जमुनिया - धनकशा प्रोजेक्ट चालू करने के लिए वेकोलि प्रबंधन ने ग्राम पंचायत जमुनिया पठार में लगभग 500 एकड़ भूमि अधिग्रहित की थी । भूमि के बदले भू स्वामी या उसके आश्रितों को मुआवजा और नौकरी देने की बात कही थी । प्रबंधन के द्वारा इस मामले में करीब 200 से अधिकारी लोगों को नौकरी दी जा चुकी है और मुआवजा भी दिया जा चुका है । अब भी लगभग 10 से 15 किसान ऐसे हैं , जिनका दावा है , कि उन्हें न तो नौकरी मिली और न ही मुआवजा । यही किसान अपनी जमीनों में काबिज है , जिन्हें हटाने शुक्रवार 5 जून को वेकोलि प्रबंधन के अधिकारी , राजस्व विभाग के अधिकारी और पुलिस अपने पूरे दल - बल के साथ पहुंचे और जमीनों को अपने कब्जे में लेकर मार्किंग की । जे सी बी से गड्ढे खुदवाये ।

बुजुर्ग के साथ धक्का - मुक्की

करीब 85 वर्षीय बुजुर्ग कंचलाल नागवंशी ने बताया , कि उनकी खसरा नंबर 162 , 272/ 2 में जमीन है । जिसका रकबा 0.721 हेक्टेयर है । वे अपने पुत्र को नौकरी दिलवाने की मांग लंबे समय से कर रहे हैं । उन्हें उनकी जमीन से जबरन धक्का मुक्की कर हटाया गया ।

न मुआवजा मिला न नौकरी

भू मालिक पप्पू पिता शिवचरण ने बताया , कि उनकी जमीन खसरा नंबर 283/1 में है । जिसका रकबा 1.214 हेक्टेयर है । जिसका मुआवजा 5, 28, 151 रूपये बना लेकिन जमीन अधिग्रहण के बाद से न नौकरी मिली न ही मुआवजा । कोर्ट के आदेश के बाद भी कुछ नहीं मिला :- भू स्वामी लता गोहिया ने बताया , कि उनकी 907 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की गई । मुआवजा और नौकरी के लिए उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया , फैसला उनके पक्ष में आने के बाद भी उन्हें मुआवजा नहीं मिला और न ही उनके पुत्र अभिनय गोहिया को नौकरी मिली । अभिनय ने बताया , कि अधिकारी कम जमीन होने का हवाला देते हैं , जबकि धनकशा में जिन किसानों के पास 50 से 60 डिसमिल भूमि थी , उन्हें और उनके आश्रितों को नौकरी दे दी गई ।

मिलकर लड़ेंगे

शुक्रवार को वेकोलि प्रबंधन की कार्रवाई के बाद पीड़ति किसान एक और जहां जमीन , मुआवजा और नौकरी को लेकर चिंतित हैं , वहीं दूसरी ओर शनिवार को किसान कंचलाल नागवंशी , गलिया बाई , पप्पू नागवंशी , सुरेंद्र नागवंशी , घूरन नागवंशी , लता गोहिया , अभिनय गोहिया , मुनीम नागवंशी , नंदू गोहिया ने बैठक लेकर इस मामले में अपना हक पाने के लिए मिलकर लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया है ।

किसानों के लिए लड़ूंगा

इस मामले की जानकारी जब पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया को लगी तो उन्होंने कहा की वे पीड़ति किसानों के साथ है । उन्हें उनका हक दिलाने के लिए वे किसानों की आवाज बनेंगे ।

आज पीपला में प्रवचनों से होता शराब दुकान का विरोध, सप्त खंजरी वादक सूर्यवंशी का होगा आज कार्यक्रम

सौंसर। पिपलानारायणवार में शराब दुकान हटाने का 9 वे दिन आंदोलन निरंतर जारी है। शनिवार को भी आंदोलन स्तर पर ग्रामीण एवं कांग्रेस नेताओं ने धरना करते हुए शराब दुकान के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है। विधायक विजय चौरे के नेतृत्व में जारी धरना आंदोलन में पीपला नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौधरी, डॉ राजेंद्र यमदे,चिदबाजी सरोदे, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कैलाश चौधरी,विट्ठलराव गायकवाड, किशोर डोंगरे,राजू दवन्दे आदि के द्वारा विरोध प्रदर्शन करते हुएशासन प्रशासन से शराब दुकान हटाने की मांग की है। नगर पिपला नारायन वार के बस स्टैंड परिसर में स्थित शासकीय शराब दुकान हटाने का आंदोलन अब धार्मिक आयोजनों तबदिल होता हुआ नजर आ रहा है। आंदोलनकारी से मिली जानकारी के अनुसार शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर रविवार शाम 6 से आंदोलन स्तर पर प्रसिद्ध सत्यपाल महाराज जी के शिष्य सप्तखंजीरी वादक एवं राष्ट्रीय प्रबोधन कलाकार तुषार सूर्यवंशी (नागपुर) का आगमन होने जा रहा हैं। तुषार महाराज अपने संगीत में सप्त खांजी के माध्यम से शराब से होने वाले नुकसान,परिवार की बर्बादी साथ ही समझ में फैली हुई कुरूप बताओ को समाप्त करने के लिए प्रवचन मार्गदर्शन देंगे।

खमरा में आबकारी और पुलिस ने दी दबिश, जब्त की कच्ची शराब

छिंदवाड़ा। नाले में गंदा पानी रोक हाथ भट्टी शराब बनाने वालों पर आबकारी और पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही की। इस कार्यवाही के दौरान पैंतालीस लीटर हाथ भट्टी शराब और तेरह सौ किलो महुआ लाहन बरामद हुआ। कलेक्टर हरेंद्र नारायण के आदेशानुसार और सहायक आबकारी आयुक्त बीआर वैद्य के निर्देशन में बिछुआ थाना क्षेत्र के खमरा, कट्टा और सामरबोह के अड्डों पर छापा मारा गया। इस दौरान खमरा में नाले के गंदे पानी को रोक शराब बनाने की प्रक्रिया चल रही थी। यहाँ पर चार शराब भट्टियाँ चढ़ी मिलीं। कट्टा में महुआ के पेड़ के नीचे गड्ढे में पानी भर शराब बनायी जा रही थी। सामरबोह में भी डैम के पास पानी रोक शराब बनायी जा रही थी। आबकारी और पुलिस के संयुक्त अमले ने इन अड्डों पर छापा मार शराब भट्टियों और महुआ लाहन को नष्ट किया। इस दौरान आबकारी विभाग से सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश सिंघल, आरक्षक सचिन श्रीवास्तव, भारती मरकाम, बिछुआ थाने से प्रधान आरक्षक प्रमोद धुर्वे, बसंत बघेल और नगर सैनिक अजय पवार उपस्थित थे।

हरिभूमि की खबर का असर: मस्जिद के सामने का हैंडपंप सुधरा, लेकिन व्यवस्था पर उठे सवाल

तामिया क्षेत्र में खराब हैंडपंपों से ग्रामीण परेशान, शिकायत व्यवस्था बनी बड़ी समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। क्षेत्र में हैंडपंपों के रखरखाव, मरम्मत और सुधार की जिम्मेदारी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग की है, लेकिन वर्तमान में ग्रामीणों को खराब हैंडपंपों की शिकायत दर्ज कराने तक में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित अधिकारियों के संपर्क नंबर उपलब्ध नहीं होने के कारण लोग अपनी समस्याएं विभाग तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं।

क्षेत्र में भूजल स्तर लगातार नीचे जाने से कई हैंडपंप पानी देना बंद कर चुके हैं। शासन की नीति के अनुसार हैंडपंपों की मरम्मत का कार्य ठेका पद्धति से कराया जा रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब विभागीय अधिकारियों को ही क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी नहीं रहती, तो ठेकेदार के कर्मचारियों तक सूचना पहुंचना और भी कठिन हो जाता है। परिणामस्वरूप कई संवेदनशील स्थानों पर हफ्तों तक हैंडपंप खराब पड़े रहे।

हरिभूमि की खबर के बाद जागा विभाग

कुछ दिनों पहले हरिभूमि ने तामिया की जामा मस्जिद के सामने खराब पड़े हैंडपंप की समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। हैंडपंप बंद होने से मोहल्लेवासियों के साथ-साथ नमाज अदा करने आने वाले लोगों को भी पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा था। समाचार प्रकाशित होने के बाद विभाग हरकत में आया और आखिरकार हैंडपंप की मरम्मत कराई गई।

मोहल्ले वालों ने खुद कराया मरम्मत कार्य में सहयोग

स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित उपयंत्री को हैंडपंप खराब होने की सूचना दी थी, लेकिन उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। विडंबना यह रही कि मरम्मत कार्य के दौरान भी ठेकेदार के कर्मचारियों को स्थानीय लोगों का सहयोग लेना पड़ा। मोहल्लेवासियों की मदद से ही हैंडपंप को चालू कराया जा सका।

सवालों के घेरे में विभागीय निगरानी

घटना ने विभागीय कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय पर शिकायतों पर कार्रवाई हो और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, तो पेयजल जैसी मूलभूत समस्या से लोगों को राहत मिल सकती है।

मृगनयनी मध्यप्रदेश प्रदर्शनी का शुभारंभ

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा मध्यप्रदेश शासन के ग्रामोद्योग विभाग के प्रायोजन में आयोजित मृगनयनी मध्यप्रदेश प्रदर्शनी-2026 का शुभारंभ शनिवार को कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा होटल पूजा लॉन, परासिया रोड, छिंदवाड़ा में किया गया। यह प्रदर्शनी 6 जून से 16 जून 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात्रि 9 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प एवं हथकरघा परंपरा को प्रदर्शित किया गया है। यहां चंदेरी की जरी एवं रेशम किनारी वाली साड़ियां, महेश्वरी साड़ियां, वारासिवनी एवं सौंसर की सिल्क बुनाई वाले वस्त्र, उज्जैन का बाटिक प्रिंट, धार जिले का प्रसिद्ध बाग प्रिंट तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों के हस्तशिल्प एवं हथकरघा उत्पाद आकर्षण का केंद्र हैं।

प्रदर्शनी में प्रदेशभर से आए लगभग 30 से 35 कारीगर एवं शिल्पी अपने उत्कृष्ट हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रहे हैं। इनमें चंदेरी की साड़ियां, महेश्वरी वस्त्र, खादी उत्पाद, बाग एवं बाटिक प्रिंट, जरी-जरदोजी कार्य, लेदर क्राफ्ट, दरी, ज्वेलरी, गोंड पेंटिंग, तुलसी माला, कॉटन परिधान तथा लकड़ी एवं खराद शिल्प जैसी विविध कलाएं शामिल हैं।

कलेक्टर की पहल से दिव्यांग हितग्राही की पेंशन संबंधी समस्या का हुआ त्वरित निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त एक दिव्यांग हितग्राही की समस्या का त्वरित निराकरण करते हुए संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है।

जनसुनवाई के दौरान ग्राम रोहना निवासी 21 वर्षीय दिव्यांग युवती कु. शीतल विश्वकर्मा अपनी माता श्रीमती माया विश्वकर्मा एवं परिजनों के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंची थीं। परिजनों द्वारा अवगत कराया गया कि आधार कार्ड अद्यतन नहीं होने के कारण उनकी दिव्यांगता पेंशन बंद हो गई थी, जिससे परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन द्वारा तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। परीक्षण के दौरान पाया गया कि आधार कार्ड अद्यतन नहीं होने के कारण पेंशन भुगतान प्रभावित हुआ था। त्वरित समन्वय एवं प्रयासों के फलस्वरूप हितग्राही का आधार कार्ड नवीन मोबाइल नंबर एवं उपलब्ध बायोमेट्रिक विवरणों के साथ सफलतापूर्वक अद्यतन करा दिया गया है। उल्लेखनीय है कि श्रीमती शीतल विश्वकर्मा शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं तथा चलने-फिरने में असमर्थ हैं। उनकी विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की गई। आधार अद्यतन की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत उनकी पेंशन पुनः प्रारंभ कराने तथा शासन की अन्य पात्रतामूलक योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु भी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है।

सेवा सहकारी समिति में मनमानी खरीदी पर उठ रहे सवाल

मोहगांवहवेली। नगर में संचालित सेवा सहकारी समिति मोहगाव में इन दिनों भारी अनियमितताओं नजर आ रही है। प्रबधन पर नियमों को ताक पर रखकर गड़बड़ी करने और किसानों को परेशान करने के गंभीर आरोप लग रहे है।नगर के जागरूक नागरिकों किसानों ने इस मामले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश व्यक्त किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार समिति में व्याप्त अनियमिताओं का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां पर पदस्थ कर्मचारियों के द्वारा बिना किसी औपचारिक प्रस्ताव के लगातार सामग्री खरीदी जा रही है। सूत्रों का आरोप है कि कार्यालय के लिए कूलर, कुर्सियां और अन्य सामान की खरीद में भारी धांधली की गई है। वित्तीय नियमों और पारदर्शिता के मानदंडों का उल्लंघन कर की गई यह खरीदारी सीधे तौर पर सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला है। संस्था के सदस्यों और गरीब किसानों से शेयर राशि के नाम पर वसूली की जा रही है। किसानों का आरोप है कि निर्धारित शुल्क से 150 से 200 रुपए अधिक वसूले जा रहे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि वसूली गई राशि के एवज में दी जाने वाली रसीदों में भी हेराफेरी की जा रही है। सहकारी समिति में खाद वितरण को लेकर स्थिति बेहद संदिग्ध बनी हुई है। अब तक कितनी खाद की खेप प्राप्त हुई और वास्तविक रूप से कितने किसानों को खाद का वितरण किया गया, इसका पारदर्शी लेखा-जोखा देने में प्रबधन पूरी तरह विफल है। जिम्मेदार अधिकारी सवालों से बच रहे है। मोहगांव के प्रबुद्ध नागरिकों ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। नागरिकों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही दोषीयो पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो वे जिला कलेक्टर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपेंगे।

लांयस सेवा समिति दमुआ द्वारा दी गई आर्थिक मदद

दमुआ। लांयस सेवा समिति दमुआ के माध्यम से एक कन्या के विवाह समारोह मे पहुंचकर आर्थिक सहायता राशि मदद स्वरूप 5 जून को प्रदान की गई वधु पिंकी उइके पिता कालूसिंग उइके निवासी वार्ड न. 15 दमुआ की सुपुत्री के विवाह कार्यक्रम में पहुंचकर 2100/- रूपये की नगद राशि प्रदान की गई वधु के माता पिता से भेंट कर वधु को शुभ विवाह की बधाई दी गई। इस अवसर पर लांयस सेवा समिति के संरक्षक डॉ. आर.के. विश्वकर्मा, एव मदन सोनी जी , राकेश खातरकर जी, दुर्गासिंह राजपूत जी , सोहन चैहान जी सहित कन्या के परिवार के समस्तगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

निगम की कार्रवाई: होटलों और रेस्टोरेंट्स में अग्नि सुरक्षा की गहन जांच, फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग का किया प्रदर्शन

छिन्दवाड़ा। नगर निगम आयुक्त श्री सी.पी. राय के निर्देशानुसार शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज नगर निगम द्वारा व्यापक जांच अभियान चलाया गया। नगर निगम के फायर अधिकारी अभिषेक दुबे ने अपनी टीम के साथ शहर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, रेस्टोरेंट्स और होटलों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान प्रतिष्ठानों में स्थापित फायर फाइटिंग सिस्टम, फायर अलार्म, फायर एक्सटिंग्विशर, हाइड्रेंट सिस्टम तथा आपातकालीन निकास मार्गों की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया गया। साथ ही अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र (सेफ्टी सर्टिफिकेट) एवं फायर ऑडिट से संबंधित दस्तावेजों की भी गहन जांच की गई। फायर सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों जैसे किचन एरिया, स्टोर रूम, ट्रांसफार्मर और जनरेटर के आसपास के क्षेत्रों को लेकर संचालकों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। टीम द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों में फायर एक्सटिंग्विशर के सही उपयोग का प्रदर्शन भी किया गया। इसके अलावा कर्मचारियों को आग लगने जैसी स्थिति में आपातकालीन निकास द्वारों का सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से उपयोग करने संबंधी जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं। ऐसे संस्थानों को नगर निगम की ओर से नोटिस जारी कर आवश्यक सुधार शीघ्र करने के निर्देश दिए गए हैं।

योग, नुक्कड़ नाटक, पौधरोपण संगोष्ठी एवं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

छिन्दवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, सामाजिक संस्थाएं, आयुष विभाग एवं आदर्श फाउंडेशन छिंदवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में गत दिवस ग्राम माल्हनवाड़ा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर में योग, ध्यान, संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक, पौधरोपण, नवग्रह वाटिका निर्माण, बीज वितरण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ योग गुरु डॉ. पवन नेमा द्वारा योग एवं ध्यान सत्र से हुआ, जिसमें उपस्थित ग्रामवासियों, विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्वस्थ जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण विषय पर डॉ. पवन नेमा के निर्देशन में नुक्कड़ नाटक ₹जल, जंगल, जमीन₹ के मंचन के साथ संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसके माध्यम से जल, जंगल, जमीन और जैव विविधता संरक्षण का संदेश दिया गया। आयोजन का मुख्य आकर्षण नुक्कड़ नाटक रहा, जिसे जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से उपस्थित जनसमुदाय को पर्यावरण संरक्षण का बेहद मार्मिक एवं प्रभावी संदेश दिया गया। इस सफल नाटक का सह-निर्देशन ऋषभ स्थापक द्वारा किया गया। मंच पर कलाकार के रूप में श्री प्रवीण वान्दे एवं श्री शिवांग भारद्वाज ने अपने जीवंत अभिनय से सभी का मन मोह लिया। नाटक की प्रभावशीलता और कलाकारों के शानदार अभिनय की उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणों ने सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया।

अवैध शराब विक्रेताओं पर आबकारी विभाग की दबिश, 4 प्रकरण दर्ज

आबकारी टीम ने सांगाखेड़ा क्षेत्र के कुर्सीढाना, बांगाई, खारी सहित अन्य जगहों पर की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशन में सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर. वैद्य के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी वासुदेवाचार्य त्रिपाठी के नेतृत्व में आज तामिया क्षेत्र के अंतर्गत अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध दबिश कार्रवाई की गई।

आबकारी टीम द्वारा सांगाखेड़ा क्षेत्र के ग्राम कुर्सी ढाना, ग्राम बांगाई एवं ग्राम खारी सहित अन्य गांवों में अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत कुल 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। कार्रवाई के दौरान देसी एवं विदेशी शराब की लगभग 18 लीटर मात्रा बरामद की गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश होने के निर्देश दिए गए, जिसके पश्चात उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।

इसके अतिरिक्त तामिया-देलाखारी क्षेत्र में सघन गश्त भी की गई। अभियान में आबकारी उप निरीक्षक वृत परासिया श्री जीत सिंह धुर्वे, आबकारी आरक्षक श्री ओम नारायण बामने, सुश्री प्रियंका सरयाम, सुश्री दिपाली झारिया एवं श्री रविशंकर कंगाली का विशेष योगदान रहा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्रई की बड़ी उपलब्धि, माँ और बच्चे दोनों सकुशल

कम हीमोग्लोबिन के बावजूद जुड़वा बच्चों का सुरक्षित प्रसव

हरिभूमि न्यूज ⏭ हर्रई

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्रई ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। केंद्र में पहली बार मां बनने जा रही एक गर्भवती महिला का सुरक्षित जुड़वा बच्चों के साथ सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) सफलतापूर्वक कराया गया।

इस उपलब्धि को इसलिए भी विशेष माना जा रहा है क्योंकि गर्भवती महिला का हीमोग्लोबिन स्तर मात्र 10 ग्राम प्रति डेसीलीटर था, जिससे प्रसव को चुनौतीपूर्ण माना जा रहा था।स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने गर्भावस्था के दौरान महिला की नियमित निगरानी, समय-समय पर आवश्यक जांच, उचित परामर्श तथा पोषण संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की सतर्कता और समर्पण के कारण प्रसव पूरी तरह सुरक्षित रहा तथा मां और दोनों नवजात बच्चे स्वस्थ हैं। इस सफलता का श्रेय बीएमओ डॉ. रानी वर्मा, चिकित्सकों, स्टाफ नर्सों, एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं एवं समस्त स्वास्थ्य टीम को जाता है, जिन्होंने समन्वय और टीम भावना के साथ इस जटिल प्रसव को सफल बनाया। स्वास्थ्य केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई गई गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। डॉ. रानी वर्मा ने कहा कि गर्भावस्था के दौरान नियमित एएनसी (एंटी नेटल चेकअप) जांच, संतुलित आहार, आयरन की गोलियों का सेवन और संस्थागत प्रसव सुरक्षित मातृत्व के लिए बेहद आवश्यक हैं।

उन्होंने गर्भवती महिलाओं से किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या या जोखिम की स्थिति में तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्रई की इस सफलता पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरी स्वास्थ्य टीम को बधाई दी है। यह उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और समर्पित चिकित्सा व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है।

आंगनबाड़ी के मासूम बच्चों के निवाले में निकला सांप

पांढुर्णा की आंगनवाड़ी में रोंगटे खड़े कर देने वाला कारनामा, लड्डू प्रिमिक्स के पैकेट में मिला मृत संपोला, विधायक उईके ने की उच्च स्तरीय कमेटी से जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

मध्यप्रदेश शासन और महिला एवं बाल विकास विभाग की घोर आपराधिक लापरवाही का एक ऐसा खौफनाक चेहरा सामने आया है, जिसे देखकर किसी की भी रूह काँप जाए। पांढुर्णा विकासखंड के ग्राम काराघाट कामठी की आंगनवाड़ी में मासूम बच्चों की जिंदगी के साथ सरेआम खिलवाड़ का मामला सामने आया है।

यहां कुपोषण मिटाने के नाम पर बांटे जाने वाले लड्डू के प्रिमिक्स पैकेट में आज 6 जून को एक मरा हुआ सांप का बच्चा मिलने से हड़कंप मच गया है। इसके अलावा पीड़ित परिवार का आरोप है कि पैकेट में सांप के और भी टुकड़े पाए गए। पंचायत में मेट का काम कर रहे शेषराव धुर्वे ने अपनी डेढ वर्ष की बेटी को देने के लिए जब सत्तु का पैकेट खोला तो पहले सत्तु में कुछ छोटे टुकडे दिखे। इन्हें शेषराव ने कचरा मानकर फेंक दिया। लेकिन भीतर सांप का मरा हुआ बच्चा मिलने से वे डर गए। जब बाहर फेंके गए टुकडों जाकर इन्होनें गौर से देखा तो वे भी सांप के टुकडे थे, जिसमें से एक संपोले के फन का हिस्सा था।

सवाल उठता है कि जिन मासूमों के हाथों में खिलौने और निवाले में शुद्ध दूध-सत्तू होना चाहिए, उन्हें विभाग के भ्रष्ट तंत्र और ठेकेदारों की मिलीभगत से मौत का सामान क्यों परोसा जा रहा है ? क्या गरीब और बेसहारा बच्चों की जान की कोई कीमत नहीं है ? इस बारे में क्षेत्रीय विधायक निलेश उईके ने आक्रोश व्यक्त कर दोषियों के खिलाफ कडी कारवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, मचा भारी हंगामा

जैसे ही लड्डू प्रिमिक्स पैकेट में सांप मिलने की खबर गांव में फैली, ग्रामीणों और अभिभावकों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आंगनवाड़ी केंद्र पर भारी हंगामा शुरू हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने सीधे तौर पर महिला एवं बाल विकास विभाग और पोषण आहार सप्लाई करने वाली कंपनी और स्व सहायता समूह को इस जानलेवा कृत्य का जिम्मेदार ठहराया है।

प्रशासनिक अमले में हड़कंप, जांच टीम दौड़ी

मामले की गंभीरता और ग्रामीणों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए एसडीएम अलका एक्का ने तुरंत एक्शन लिया। उनके सख्त निर्देश पर अधिकारियों की टीम आनन-फानन में मौके पर पहुँची। ना. तहसीलदार अश्वीनी गोहिया और एस इरपाची ने घटनास्थल का मुआयना कर पंचनामा तैयार किया और जांच प्रतिवेदन बनाकर शासन को भेजा है। लेकिन जनता सिर्फ कागजी कार्रवाई से संतुष्ट होने वाली नहीं है।

जनता की हुंकार, हमारी ये माँगें तुरंत पूरी हो

इस रोंगटे खड़े कर देने वाले खुलासे के बाद ग्रामीणों और सजग नागरिकों ने सीधे सरकार और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। क्षेत्रीय विधायक निलेश उईके ने मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच, भोजन सामग्री की शुद्धता और इस खूनी लापरवाही की जांच के लिए तत्काल एक उच्च स्तरीय स्वतंत्र कमेटी गठित करने की मूंग रखी है। विधायक निलेश उईके के अनुसार यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि मासूमों की हत्या की साजिश के समान है। वातानुकूलित कमरों में बैठकर कमीशनखोरी का खेल खेलने वाले अफसरों और मुनाफाखोर ठेकेदारों को यह समझना होगा कि गरीबों के बच्चे कीड़े-मकोड़े नहीं हैं। अगर इस मामले में लीपापोती की गई, तो जनता का आक्रोश इस भ्रष्ट तंत्र को उखाड़ फेंकेगा। दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए!

पर्यावरण प्रेमियों ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस 108 फलदार पौधों से किया अतिथियों का अभिनंदन

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश की धर्म नगरी छिंदवाड़ा के परासिया रोड पोआमा स्थित दिव्यांगजनों के विकास एवं पुनर्वास हेतु समर्पित संस्था आधार फाउंडेशन में विश्व पर्यावरण दिवस रंगारंग कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह सम्मिलित हुए एवं अध्यक्षता सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक नगर निगम स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर दीपक राज जैन ने की। जिनका दिव्यांग बच्चों सहित आधार फाउंडेशन की संचालिका सरिता पांडे एवं सक्षम के जिला अध्यक्ष इंजीनियर महेश किन्थ एवं ने तुलसी का पौधा भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों सहित भारत माता के सेवक उपस्थित रहे जिनके साथ 108 पर्यावरण प्रेमियों को फलदार पौधे भेंट किये गए।कार्यक्रम के दौरान ब्रांड एंबेसडर दीपक राज जैन ने सभी को पर्यावरण संरक्षण सहित छिंदवाड़ा को स्वच्छ - स्वस्थ एवं सुंदर बनाने की शपथ दिलाई। सभी अहिंसा प्रेमियों ने पक्षियों के लिए जलपात्र भरा एवं दिव्यांग बच्चों को स्वादिष्ट भोजन कराकर विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी। पूर्व जिला संयोजक बजरंग दल अजय शुक्ला, भारतीय मजदूर संघ के जिला सह मंत्री जयशंकर दीपू, संयुक्त महामंत्री संजय बावरिया, जिला मंत्री अजय पाल, जिला अध्यक्ष अर्जुन भारती, अनुसूचित जनजाति मंडल अध्यक्ष भाजपा दीपक धुर्वे, गोपाल सिंह बघेल, योगेश प्रजापति, देवेंद्र चौहान, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र पटेल, शिवनारायण, अनिल यादव, ललित वारसिया, कृष्णा भारती, श्रीराम फाइनेंस से राकेश सनोदिया, सुदेश सिंह, प्रवेश सिंह, सिद्धार्थ सिंह, सुनील दुबे, नेहाल दुबे, ऋषभ चतुर्वेदी, विभोर सिंह राजपूत, पार्थ, समर्थ एवं वियान सिंह सहित आधार फाउंडेशन का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में दिव्यांग बच्चे सम्मिलित हुए।

एक एकड़ टमाटर की खेती से किसान ने कमाए लाखों

उद्यानिकी खेती ने बदली किसान की दशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

कृषक कल्याण वर्ष में मेहनत के साथ सही मार्गदर्शन और आधुनिक तकनीक के साथ मिलकर, खेती भी सफलता की नई इबारत लिख रही है। छिंदवाड़ा जिले के हर्रई विकासखंड के ग्राम राबराखुर्द के किसान श्री विष्णु ने भी सफलता की ऐसी की कहानी लिखी है। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और अपनी लगन के बल पर मात्र एक एकड़ भूमि में टमाटर की खेती कर लाखों रुपये की आय अर्जित की है।

परंपरागत खेती से आधुनिक खेती की ओर बढ़ाया कदम

करीब तीन एकड़ कृषि भूमि के स्वामी कृषक श्री विष्णु पहले परंपरागत फसलों की खेती करते थे, जिससे उन्हें सीमित आमदनी होती थी। बेहतर आय की तलाश में उन्होंने वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग के सुझाव पर

एक एकड़ भूमि में ड्रिप सिंचाई पद्धति से टमाटर की खेती शुरू की। यह निर्णय उनके जीवन में आर्थिक बदलाव का आधार बना।

तकनीकी मार्गदर्शन बना सफलता की कुंजी

जिले के उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने उन्हें उन्नत किस्म के बीज, फसल प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा सिंचाई प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। समय-समय पर मिले मार्गदर्शन से फसल का विकास बेहतर हुआ और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

लागत कम, उत्पादन अधिक

टमाटर की खेती में बीज, खाद, दवाई, श्रम एवं अन्य कृषि कार्यों पर लगभग 1.50 लाख रुपये की लागत आई। ड्रिप सिंचाई और वैज्ञानिक खेती के कारण उन्हें लगभग 1000 कैरेट टमाटर का उत्पादन प्राप्त हुआ। बाजार में औसतन 450 रुपये प्रति कैरेट की दर मिलने से कुल आय लगभग 4.50 लाख रुपये हुई।

एक एकड़ से तीन लाख रुपये का शुद्ध लाभ

उत्पादन लागत निकालने के बाद किसान श्री विष्णु को लगभग 3 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है। इस आय से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि परिवार के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

क्षेत्र के किसानों के लिए बने प्रेरणा स्रोत

कृषक श्री विष्णु की सफलता ने आसपास के किसानों में भी नई उम्मीद जगाई है। अब क्षेत्र के अनेक किसान उद्यानिकी फसलों और आधुनिक सिंचाई तकनीकों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। श्री विष्णु अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, परिवार के सहयोग और शासन के उद्यानिकी विभाग द्वारा मिले तकनीकी मार्गदर्शन को देते हैं।

खेती में नवाचार से समृद्धि का रास्ता

कृषक की सफलता की यह कहानी इस बात का उदाहरण है कि यदि किसान वैज्ञानिक पद्धतियों, आधुनिक तकनीकों और विभागीय मार्गदर्शन का लाभ लें, तो कम भूमि में भी बेहतर उत्पादन और अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं। कृषक श्री विष्णु की उपलब्धि शासन द्वारा मनाए जा रहे कृषक कल्याण वर्ष 2026 की भावना को साकार कर रही है और अन्य किसानों को भी उद्यानिकी फसलों के उत्पादन और आधुनिक सिंचाई तकनीकों को अपनाने की प्रेरणा दे रही है।

चित्रों से छात्रों ने उकेरे पर्यावरण की दशा

छिंदवाड़ा। माय भारत छिंदवाड़ा के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी सुषमा गवली के मार्ग दर्शन मे, अभिनव शिक्षण एवं जनकल्याण समिति के द्वारा स्थानीय शासकीय महिला आई टी आई मे किया गया । भीम सिंह धुर्वे ने बताया की इस अवसर पर चित्रकला ,निबंध, गोष्ठी, पौधा रोपण किया गया 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समाजसेवी श्यामल राव ने बताया की जड़ों के बगैर वृक्ष में बढ़ोत्तरी नही हो सकती। जड़ों से काटकर कोई भी वृक्ष जीवित नही रह सकता, हमारे लिए हमारी संस्कृति ही हमारी जड़ है और भारतीय संस्कृति की जड़ों में है वन, वृक्ष, पानी, भूमि , यानी की पूरी प्रकृति । मुख्य अतिथि के रुप मे उपस्थित जिला होमगार्ड कमांडेट स्नेहलता पाठ्या ने बताया की प्राकृतिक आभा और हरियाली से आच्छादित हमारी वंसुधरा धीरे धीरे मूल स्वारुप को खोती जा रही है,इसके संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करे । जिला युवा अधिकारी सुषमा गवली ने कहा की पर्यावरण की यह दुर्दशा मानव जनित कृत्यो से ही हुई है और इसका खामियाजा भी मानव को ही भुगतना होगा। भावी पीढ़ी को अच्छा वातावरण देने की सार्थक पहल करने उपस्थित जनो से अपील की हे। प्राचार्य दिनेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण की दिशा मे पहल करने लिए हमे प्लास्टिक युक्त पन्नी ओर उससे बनी सामग्री को त्यागना होगा । पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम सब यह संकल्प ले की हम सब अपने अपने घरो मे कम से कम दो पौधे का रोपण करे ओर प्लास्टिक मुक्त करके भावी पीढ़ी को सुरक्षित करने अपील की है। तद्उपरांत उपस्थित अतिथियों के हस्ते चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले छात्रो मे साक्षी ऊईके, कल्पना कुडोपा, रागिनी उईके ,पलक कोशिक,रिशिका ठाकरे, को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया वही छात्रो को संकल्प दिलाकर पौधारोपण किया गया ।

भाजपा धर्मटेमडी मंडल ने वार्ड नंबर 3 में किया पौधारोपण

छिन्दवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर धर्मटेकरी नगर मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के द्वारा वार्ड नंबर 3 में पौधारोपण किया गया। भारतीय जनता पार्टी धर्मटेकड़ी नगर मंडल एक के अध्यक्ष सौरभ ठाकुर ने बताया कि 8 जून से 14 जून तक मंडल के क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएंगा, जिसे लेकर नगर मंडल की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। जिसमें संगठन के द्वारा आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में बैठक के प्रभारी भारतीय जनता पार्टी के संभागीय कार्यालय मंत्री भारत घई के द्वारा कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई, साथ ही केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार आगामी होने वाले कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। संभागीय कार्यालय मंत्री भारत घई ने बैठक में बताया कि 8 जून से 14 जून तक मंडल के अंतर्गत आने वाले बूथों पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा और एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण किया जायेगा। बैठक का संचालन मंडल के महामंत्री कमलेश कवरेती के द्वारा किया गया और आभार प्रदर्शन मंडल महामंत्री ओम चौरसिया के द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक में अभिषेक राय, शशांक चंदेल, ब्रजेश शुक्ला, वर्षा विश्वकर्मा, बबलू विश्वकर्मा, कमलेश ठाकरे, जीतू पिपली, पंकज शर्मा, नीलम जाधेला, माइकल पहाड़े, अरुण गदरे, लोकेश यादव, संध्या सूर्यवंशी, विजेंद्र भार्गव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पौनी घाट से अवैध रेत उत्खनन, पत्रकार को ट्रैक्टर से कुचलने के प्रयास, माफियाओं के बढ़ते आतंक से दहशत

रेत माफियाओं के सामने नतमस्तक व्यवस्था? पत्रकार की शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं, पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज लांजी। जिले के लांजी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का खेल अब इतना बेलगाम होता दिखाई दे रहा है कि कानून का भय मानो पूरी तरह समाप्त हो चुका है। रेत माफियाओ की दंबगई इतनी बढ़ गई है कि वे अब बेखौफ होकर पुलिस, पत्रकार को भी कुचलने से नही चूक रहे है। पत्रकार पवन कश्यप द्वारा की गई शिकायत ने न केवल रेत माफियाओं के बढ़ते दुस्साहस को उजागर किया है, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार 5 जून की रात पौनी नदी घाट से ट्रैक्टर की लाइट बंद कर अवैध रूप से रेत निकाली जा रही थी। इसी दौरान पत्रकार पवन कश्यप द्वारा रेत से भरे ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास करने पर चालक अंकित नागवंशी द्वारा उन्हें ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया गया।

इस संबंध में पवन कश्यप ने बताया कि उक्त ट्रेक्टर चालक द्वारा पौनी नदी घाट से रेत हरदोही परसवाड़ा के रास्ते दुल्हापुर पंचायत में चल रहे सीसी रोड़ निर्माण कार्य में ले जायी जा रही थी। घटना की जानकारी उसी रात थाना लांजी पुलिस को दी गई, लेकिन तत्काल एफआईआर दर्ज करने के बजाय अगले दिन आने को कहा गया।

जब वे अगले दिन थाने गये तब भी मामले में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि एक पत्रकार द्वारा जानलेवा हमले की शिकायत की जाती है तो उस पर तत्काल कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं होती? यह मामला अब आमजन के बीच चर्चा का विषय बन चुका है और लोग पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठा रहे हैं।

लांजी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रेत कारोबार को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि क्षेत्र में 50 से अधिक ट्रैक्टर रेत परिवहन में लगे हुए हैं। वहीं कुछ सूत्रों द्वारा पुलिस और अवैध कारोबारियों के बीच कथित सांठगांठ के आरोप भी लगाए जा रहे हैं, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार रेत माफियाओ द्वारा पुलिस से सांठगांठ कर ली गई है जिसके चलते वे बेखौफ होकर कारोबार को अंजाम दे रहे है। सूत्र तो यह भी बता रहे है कि रेत माफियाओ द्वारा पुलिस को एक ट्रेक्टर के महीने का 15 हजार रूपये दिया जाता है ताकि बेखौनऊ होकर रेत का उत्खनन और परिवहन कर सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से जुड़े कथित खनिज माफियाओं का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। कुछ दिन पूर्व लालबर्रा क्षेत्र में भी रेत परिवहन से जुड़े विवाद ने सुर्खियां बटोरी थीं। जहां पुलिस के एक हेडकांस्टेबल को ट्रेक्टर से कुचलकर जान से मारने का प्रयास किया गया। अब हालात यहां तक हो गये है कि रेत माफियाओ से पुलिस और पत्रकार भी सुरक्षित नही है। अब क्षेत्रवासियों ने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है, ताकि कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा कायम रह सके।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। स्व. दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 05 जून 2026 को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में श्रमदान से हुआ, जिसमें महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए ग्रो बैग में मिट्टी एवं खाद भरने का कार्य किया तथा वृक्षारोपण हेतु गड्ढों की तैयारी की। इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवकों के साथ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन, कार्यक्रम प्रभारी सुश्री साक्षी बंसोड़ एवं एनएसएस प्रभारी सुश्री मान्यता तिवारी ने ग्राम बड़गांव में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर ग्राम बड़गांव की सरपंच महोदया एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए वृक्षारोपण किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण, पर्यावरण जागरूकता रैली, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, भाषण, प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण तथा जैव विविधता संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

ग्राम बड़गांव में बरगद के वृक्ष के नीचे एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन ने भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण के महत्व

पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम प्रभारी सुश्री साक्षी बंसोड़ ने अपने वक्तव्य में भारतीय संस्कृति में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपराओं एवं पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी।इसके पश्चात लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक माननीय श्री राजकुमार कर्राहे महाविद्यालय पहुंचे। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई एवं बढ़ते प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल संरक्षण करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने सभी को "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान से जुड़कर वृक्षारोपण करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

किसानों को दी गई धान की सीधी बुवाई एवं प्राकृतिक खेती की जानकारी

बालाघाट। बालाघाट जिले में खरीफ सीजन की तैयारियों के मद्देनजर कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों एवं प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 5 जून को जिले के विभिन्न गांवों में किसानों को धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि विकासखंड कटंगी के ग्राम जमुनिया, बनेरा एवं ढिमरूरीठ में किसानों को सुपर सीडर मशीन के माध्यम से धान की सीधी बुवाई की तकनीक से अवगत कराया गया। साथ ही खेतों की उर्वरता बढ़ाने और लागत कम करने के उद्देश्य से ढेंचा, सन एवं एजोला के उपयोग तथा उनके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं खैरलांजी विकासखंड के ग्राम नोनसा में कृषि सखी द्वारा प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत घर-घर पहुंचकर किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने तथा धान की सीधी बुवाई करने के लिए प्रेरित किया गया। किसानों को रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से खेती करने के फायदे बताए गए। ग्राम पंचायत नोनसा में आयोजित खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को संतुलित उर्वरकों के उपयोग, हरी खाद के महत्व, प्राकृतिक खेती की तकनीकों तथा डीएसआर पद्धति से धान उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा कृषि विभाग में उपलब्ध उन्नत किस्म के धान बीजों की जानकारी देकर किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था से भी अवगत कराया गया। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे आधुनिक एवं प्राकृतिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन लागत कम करें तथा बेहतर उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि करें।

विधायक विवेक विक्की पटेल का रंग लाया प्रयास

प्राइवेट स्कूलो के विद्यार्थी भी अब सांदीपनी विद्यालय में ले सकेंगे प्रवेश

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

प्रदेश के सांदीपनी विद्यालय में अब प्राइवेट स्कूलो में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भी प्रवेश ले सकेंगे।राज्य सरकार ने इसके लिए प्रवेश सबंधी आदेश भी जारी कर दिया है।प्रदेश में संचालित सांदीपनी विद्यायलो में आधुनिक सुविधाएं बेहतर शिक्षण व्यवस्था व अच्छे परीक्षा परिणामों के कारण इनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलो से निकालकर इन विद्यालयों में प्रवेश दिलाना चाहते है।लेकिन वर्तमान नियमों में प्राइवेट स्कूलों से आने वाले विद्यार्थियों को सीधे प्रवेश नहीं

देने के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है।इस कारण यह चाहकर भी अभिभावक बच्चों को प्राइवेट स्कूलो में पढ़ाने को मजबूर है।विभिन्न जिलों से इस तरह के परिणाम लगाते सामने आ रहे थे। वहीं विधायक विवेक विक्की पटेल ने भी इन सभी समस्याओं से समाधान पाने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से मुलाकात कर निराकरण करवाने की मांग की थी।जिसके पश्चात प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के भविष्य की चिंता करते हुए प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थियों को भी सांदीपनी विद्यालय में प्रवेश लेने आदेश जारी कर दिया है।जिसके बाद विधायक विवेक विक्की पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह का आभार व्यक्त किया है।

अहाते बंद पर कब्जा बरकरार, बिजली पोल पर भी कब्जे से हादसे का खतरा

सेलवा में शराब दुकान के सामने अवैध अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज कटंगी। तहसील क्षेत्र के ग्राम सेलवा में शासकीय शराब दुकान के सामने अवैध तरीके से अहाते तैयार कर शराब बेची जा रही थी। स्थानीय महिलाओं के विरोध के बाद अहाते बंद तो हो गए, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने शासकीय जमीन पर कब्जा नहीं छोड़ा। सबसे गंभीर बात यह है कि अतिक्रमणकारियों ने बिजली के पोल पर भी अवैध कब्जा कर लिया है। इससे बड़ा हादसा होने का खतरा मंडरा रहा है।

महिलाओं ने 2 महीने पहले एसडीएम कटंगी कार्यालय में शिकायत कर अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग की थी, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों के अनुसार सेलवा की शासकीय शराब दुकान के सामने कुछ लोगों ने शासकीय भूमि पर टीन शेड लगाकर पक्के और कच्चे अहाते बना लिए थे। यहां शराब खरीदने वाले लोग बैठकर पीते थे और खाली बोतलें फेंकते थे। शाम होते ही यह पूरा इलाका अड्डा बन जाता था। स्कूल जाने वाले बच्चे और महिलाएं

इस रास्ते से गुजरने में डरती थीं। महिलाओं का आरोप है कि अहाते बंद होने के बाद भी अतिक्रमणकारियों ने शासकीय जमीन पर से कब्जा नहीं हटाया। टीन शेड, बेंच और अवैध निर्माण अभी भी जस के तस खड़े हैं। इससे लगता है कि कभी भी अहाते फिर शुरू हो सकते हैं। इस पूरे मामले में राजस्व और बिजली विभाग की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करना गैर कानूनी है। बिजली पोल पर कब्जा तो सीधे जन सुरक्षा से खिलवाड़ है। इसके बावजूद 2 महीने से शिकायत का कागज धूल खा रहा है। सबसे खतरनाक बात यह है कि अतिक्रमणकारियों ने बिजली के पोल पर भी कब्जा कर लिया है। पोल के चारों ओर लकड़ी और टीन लगाकर उसे घेर दिया गया है। बरसात के मौसम में यहां करंट लगने और शार्ट सर्किट होने का खतरा बना हुआ है। कोई भी बच्चा या राहगीर इसकी चपेट में आ सकता है। महिलाओं ने करीब 2 महीने पहले एसडीएम कटंगी कार्यालय में लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में अवैध अतिक्रमण हटाने और बिजली पोल को मुक्त कराने की मांग की गई थी। महिलाओं ने एसडीएम को बताया था कि शराब दुकान के सामने अतिक्रमण के कारण गांव का माहौल खराब हो रहा है और हादसे का डर है। लेकिन 2 महीने बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। न अतिक्रमण हटाया गया, न बिजली पोल को मुक्त कराया गया। महिलाओं का कहना है कि हम बार कार्यालय के चक्कर काट रही हैं। हर बार आश्वासन मिल जाता है, लेकिन काम नहीं होता।

खबर संक्षेप

अनुदानित कृषि ग्रेड यूरिया के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु संयुक्त जांच दल गठित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने अनुदानित कृषि ग्रेड यूरिया के संभावित दुरुपयोग की रोकथाम एवं निगरानी के लिए जिले में संयुक्त जांच दलों का गठन किया है।
म.प्र. शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार यह जानकारी प्राप्त हुई है कि कृषि उपयोग हेतु उपलब्ध कराए जाने वाले अनुदानित कृषि ग्रेड यूरिया का मूल्य टेक्नीकल ग्रेड यूरिया की तुलना में काफी कम है। ऐसे में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा कृषि ग्रेड यूरिया के उपयोग की संभावना को देखते हुए औचक निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में निशुल्क प्रवेश

हरिभूमि न्यूज सिवनी। भोपाल स्थित श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में वर्ष 2026 के प्रदेश के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। मध्यप्रदेश भवन एवं सनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए भारत सरकार से एनसीवीटी मान्यता प्राप्त श्रमोदय आदर्श आईटीआई भोपाल में निशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। आईटीआई में प्रवेश की प्रदेश के लिए इच्छुक आवेदक 26 मई से 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। संस्था की अधिक जानकारी एवं आवेदन करने में किसी भी प्रकार की समस्या के लिए 9424454453,982947798 पर सम्पर्क कर सकते है।

जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन 12 जून को

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर के निर्देशानुसार तथा मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय सिवनी, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सिवनी एवं शासकीय आईटीआई सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षित बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक शासकीय आईटीआई बरघाट, जिला सिवनी में युवा संगम कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा।

बैनगंगा महिला आजीविका की संकुल स्तरीय बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज छपारा। नगर बैनगंगा तट स्थित कबीर दास भवन में गत दिवस शुक्रवार 05 जून को मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत बैनगंगा महिला आजीविका संकुल स्तरीय संगठन छपारा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रविन्द्र मीणा, रंजीत उइके एडीईओ, जिला प्रबंधक आईबीसीबी जठार सिंह भलावी, युवा सलाहकार वैभव वर्मा, जनपद कार्यालय से विकासखण्ड प्रबंधक भरत परमार, श्रीमति फहमीदा कुरैशी, सीएलएफ नोडल रमेश अहिरवार, प्रहलाद यादव उद्धयोगनी संस्था,जनपद पंचायत छपारा क्षेत्र के 3 संकुल संगठनों के पदाधिकारी एवं बैनगंगा सीएलएफ के कर्मचारी पदाधिकारी एवं सक्रिय सीआरपी दीदिया उपस्थित रही।

आईटीआई छपारा में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज छपारा। 05 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय आईटीआई छपारा में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष के पर्यावरण दिवस की थीम इंस्पायर्ड बाय नेचर, क्लाइमेट फॉर आवर फ्यूचर को ध्यान में रखते हुए, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के बहिष्कार के प्रति जागरूक करना था कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथियों द्वारा परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

मानसून पूर्व बाढ़ आपदा प्रबंधन तैयारियों की संभागायुक्त ने की समीक्षा

मानसून पूर्व बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर संभागायुक्त जबलपुर धनंजय सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

बैठक में संभाग के सभी जिलों के आपदा संवेदनशील क्षेत्रों के आकलन, बाढ़ प्रभावित होने वाली नदियों, बड़े बांधों तथा जिलेवार तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई।
बैठक में निर्देश दिए गए कि जिले में उपलब्ध नाव, मोटर बोट, लाइफ जैकेट सहित अन्य बचाव संसाधनों की स्थिति का परीक्षण किया जाए तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित कर आपदा प्रबंधन दलों की तत्परता सुनिश्चित की जाए। प्राकृतिक जलाशयों, जल निकास नालियों, तालाबों एवं नालों की सफाई के साथ बांधों और तटबंधों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।
संभागायुक्त ने कहा कि 15 जून से बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष सक्रिय रूप से कार्य करना प्रारंभ कर दें। साथ ही बड़े बांधों एवं जल परियोजनाओं से पानी छोड़े जाने की स्थिति में निचले क्षेत्रों एवं संबंधित जिलों को पूर्व सूचना अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए।
उन्होंने आपदा की स्थिति में सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान तथा आमजन तक समय पर जानकारी पहुंचाने के लिए प्रभावी संचार व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। संबंधित विभागों के मध्य समन्वय बनाए रखते हुए चेतावनी एवं अलर्ट संदेशों का त्वरित प्रसारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया, ताकि संभावित खतरे की स्थिति में नागरिकों को समय रहते सतर्क कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।
उन्होंने स्थानीय स्तर पर जलभराव वाले क्षेत्रों का पूर्व चिन्हांकन कर नागरिकों की सुरक्षा के लिए राहत शिविरों सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जीवन रक्षक दवाइयों तथा सर्पदंश की घटनाओं से निपटने हेतु एंटी वेनम दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। बैठक में पोस्ट मानसून परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अग्रिम तैयारियां रखने, पशुओं के लिए चारा एवं भूसे की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा एसडीआरएफ, होमगार्ड के साथ स्थानीय गोताखोरों एवं मछुआरों की अद्यतन सूची संधारित करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त ने कहा कि जर्जर भवनों में संचालित स्कूल, आंगनवाड़ी एवं छात्रावासों का परीक्षण कर आवश्यकता पडने पर उन्हें अन्य सुरक्षित स्थानों पर संचालित किया जाए। साथ ही अभियान चलाकर खुली नालियों के मेनहोल एवं खुले बोरवेल को सुरक्षित रूप से बंद कराने तथा विद्युत लाइनों के खुले एवं क्षतिग्रस्त तारों की मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर, पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर श्री सी.एल. चनाप, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर बाईक सवाल घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले के किंदरई थाना क्षेत्र के मानेगांव के पास शनिवार दोपहर करीब 1 बजे एक सडक़ दुर्घटना हुई। इसमें बाइक सवार रज्जन तेकाम (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। रज्जन तेकाम चरगांव निवासी राम सिंह तेकाम के पुत्र हैं।
जानकारी के अनुसार घायल रज्जन तेकाम अपने गांव से घंसौर खाद लेने बाइक से जा रहे थे। मानेगांव के पास पहुंचने पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और रज्जन को गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल की सहायता की और तत्काल डायल 112 पुलिस सहायता वाहन तथा 108 एम्बुलेंस को सूचित किया। सूचना मिलने पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायल को प्राथमिक उपचार के लिएसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर ले जाया गया। घंसौर अस्पताल में चिकित्सकों ने रज्जन तेकाम का प्राथमिक उपचार किया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बताया गया है कि उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उनका उपचार जबलपुर में जारी है।
दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद घंसौर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिसआसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और अज्ञात वाहन तथा उसके चालक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

बिजली के तारों की चपेट में आकर किसान घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले के लखनादौन नगर के वार्ड क्रमांक 2 में शुक्रवार देर रात एक किसान बिजली के तारों की चपेट में आकर घायल हो गया। खेत में गिरे हुए बिजली के खंभे और जमीन पर पड़े तारों के संपर्क में आने से यह हादसा हुआ। घायल किसान को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

खेत में तैयारी के दौरान हादसा

जानकारी के अनुसार, किसान सम्मन सिंह पटेल रात करीब 11:30 बजे अपने खेत में जुताई की तैयारी के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि खेत में बिजली का एक खंभा गिरा हुआ है और उससे जुड़े तार जमीन पर फैले हुए हैं।

अंधेरे में नहीं दिखे तार

रात के अंधेरे में तार नजर न आने के कारण किसान अनजाने में उनकी चपेट में आ गए। चलते समय उनका पैर तारों में उलझ गया और वे गिर पड़े। गिरने के बाद जब उन्होंने संभलने की कोशिश की तो हाथसे तार छू जाने पर उन्हें जोरदार करंट लगा और वे बेहोश हो गए।

समय पर इलाज से बची जान

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल किसान को अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार समय पर इलाज मिलने से उनकी जान बच गई। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है।

बिजली व्यवस्था पर सवाल

किसान ने बताया कि खेत में खुले पड़े बिजली के तार न केवल उनके लिए बल्कि पशुओं के लिए भी खतरा हैं। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताया। सूचना मिलने पर पुलिस और विद्युत विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया है। विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त खंभों और तारों की तुरंत मरम्मत की मांग की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सेवा सहकारी समिति मोहबर्रा में हुआ वृक्षारोपण

सोनखार। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सेवा सहकारी समिति मोहबर्रा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक उगली अर्जुन पगारे, समिति प्रबंधक मोहबर्रा अशोक ऐडे, कृषक प्रदीप तिवारी, सेल्समेन श्रीराम राने, विनोद दिहारी, रामप्रसाद बिसेन, ऑपरेटर संजीव अजीत तथा चितरंजन देशमुख सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान नीम, पीपल एवं अशोक सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। उपस्थित जनों ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर और उनकी देखभाल करके ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं नियमित रूप से वृक्षारोपण करने के संकल्प के साथ हुआ।

श्री श्याम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों पर विभिन्न समितियां बनाकर दायित्व सौंपा गया

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नागपुर रोड खैरी में श्याम बाबा के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारिया जोरों पर है। 13 जून को 8बजे मठ मंदिर से रैली से कार्यक्रम का आगाज होगा।।14 जून दोपहर 3 बजे से बाबा की मेंहदी एवं भजन होंगे।
15/16/17 जून को सभी अधिवास एवं पूजन के साथ रात्रि में श्याम भजन की गंगा प्रवाहित होगी।साथ ही भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया है।आयोजन को सफल बनाने के लिए श्याम भक्तों की समितियां बनाकर उन्हें दायित्व सौंप गया।निम्न समितियां बनाई गई। निर्माण समिति- श्री सत्यनारायण अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय मोदी ,प्रकाश अग्रवाल ,प्रतुल अग्रवाल ,रितेश खेमुका कार्ड वितरण समिति- बिट्टू अग्रवाल, उमंग शर्मा,मुन्नू मोदी, कपीश मोदी, कान्हा अग्रवाल, नैतिक अग्रवाल, साहिल बघेल। मोपेड रैली - कान्हा अग्रवाल नमन अग्रवाल वेद अग्रवाल ,कपीस मोदी ,परम अग्रवाल , तनय मोदी भव्य मोदी नैतिक अग्रवाल, आर्यन नायक एवं युवा इकाई की पूरी टीम।
कलेक्शन समिति- संजय मोदी, विशाल इसरका संदीप शर्मा (पप्पू), आलोक अग्रवाल, लखन अग्रवाल स्वागत

समिति- मनीष अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, बिट्टू अग्रवाल, श्रीमती शारदा अग्रवाल, श्रीमती माया अग्रवाल, संतोष अग्रवाल(ढब्बू)।
आवास समिति- आशु सनोडिया(सिध्दीविनायक लॉन), प्रतुल अग्रवाल ,विकाश अग्रवाल मुन्नू मोदी ,मिंटू अग्रवाल ,शुभम अग्रवाल (गुड्डा),पवन अग्रवाल ,श्रीमती दीप्ति अग्रवाल, प्रिया मोदी ,जया अग्रवाल डेकोरेशन समिति- मंटू अग्रवाल, अशोक खूबचंदानी, सुनील ठाकुर, गंगाधर पाराशर जी, विवेक अग्रवाल विजय जेठानी, रितेश खेमुका प्रचार प्रसार समिति- संदीप ठाकुर, देवेंद्र ठाकुर युवा इकाई टीम। भोजन व्यवस्था समिति- श्री सत्यनारायण जी अग्रवाल ,मंटू अग्रवाल , विकाश अग्रवाल,लखन अग्रवाल बिट्टू श्रेयांश अग्रवाल,शिवम ठाकुर ,आर्यन नायक ,गौरव अग्रवाल सुमित हिंदुजा अंकुश हिंदुजा नीरज हिंदुजाएवं टीम, गगन विश्वकर्मा, टेमरे जी विजेंद्र ब्राह्मणकर ,अर्पित सनोडिया रोहित सनोडिया पूजन समिति- महिला मंडल संजय मोदी, उमंग शर्मा, आलोक अग्रवाल गुड्डा अग्रवाल काउंटर समिति -श्री सत्यनारायण अग्रवाल ,श्री हरि प्रसाद अग्रवाल ,सुनील अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल ,अनिल बंसल ,अनिल विजय अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, रुपेश अग्रवाल
छप्पन भोग- संपूर्ण महिला मंडल एवं युवा इकाई निशान यात्रा कलश यात्रा एवं शोभा यात्रा समिति - प्रतुल अग्रवाल, विशाल ईसरका, अशोक सोनी, अंशुल साहू, प्रिंस साहू एवं टीम ,रितेश खेमुका, शैलेश अग्रवाल सुनील अग्रवाल, मुन्नू मोदी, संजय मोदी ,गौरव अग्रवाल, रवि मोदी।
कीर्तन एवं सत्संग व्यवस्था - प्रतुल अग्रवाल विकाश अग्रवाल,उमंग शर्मा ,साहिल बघेल, अनु शर्मा जी कामठी ,गणेश अग्रवाल नागपुर, शुभम अग्रवाल (गुड्डा),अंशुल अग्रवाल, शुभ अग्रवाल, अक्षत अग्रवाल, प्रत्यूष भालोटिया,मिंटू अग्रवाल।

फिट रहोगे तो हिट रहोगे' के संदेश के साथ केवलारी में समर कैंप का गरिमामय समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ केवलारी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026का सांदीपनि विद्यालय के खेल मैदान में भव्य समापन हुआ। फिट रहोगे तो हिट रहोगे के मूल मंत्र को साकार करते हुए इस शिविर में नगर के 80 से अधिक छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ निःशुल्क खेल प्रशिक्षण प्राप्त किया।
शिविर के समापन के अवसर पर कार्यक्रम के प्रथम चरण में सरस्वती जी के छाया चित्र में तिलक पूजन कर शुरुआत की गई। मुख्य अतिथि के रूप में प्रीतम सिंह तिलगाम (थाना निरीक्षक, केवलारी) कार्यक्रम की अध्यक्षता रफीक खान पूर्व खिलाड़ी अध्यक्ष पत्रकार संघ, विशिष्ट अतिथि श्रीमती भगवती परते (विकासखंड योग प्रभारी) एवं श्रीमती अमित सिंह (प्रधानपाठिका, सांदीपनि विद्यालय केवलारी) रहीं। कार्यक्रम में गजेंद्र बोपचे (शिक्षक) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें उज्ज्वल खेल करियर के लिए प्रोत्साहित किया गया और सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।
मोबाइल से दूर, मैदान से जुड़े बच्चे
समापन के अवसर पर खेलकूद विभाग की ब्लॉक समन्वयक एवं प्रशिक्षण प्रभारी परवीन बेबी ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों को मोबाइल की आभासी दुनिया से दूर कर खेल मैदान से जोड़ना और फिटनेस के प्रति जागरूक करना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य था। सुबह 6 से 8 बजे तक शाम 5:00 से 7:00 बजे चले इस शिविर में बच्चों ने खेल भावना और अनुशासन का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है।
प्रशिक्षकों ने सिखाईं खेल की बारीकियां
इस समर कैंप के दौरान बच्चों को विभिन्न विधाओं का उत्कृष्ट प्रशिक्षण दिया गया। पूर्व खिलाड़ी रफीक ने कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है।
वहीं, कबड्डी और खो-खो एवं अन्य फिजिकल एक्टिविटी के लिए सुधीर मुंजारे (कबड्डी प्रशिक्षक), अभिषेक यादव (खो-खो प्रशिक्षक) ने बच्चों को मैदान पर पसीना बहाते हुए तकनीक और टीम भावना का पाठ पढ़ाया। शिविर के सफल समापन पर खेल विभाग, शिक्षा विभाग और नगर के गणमान्य नागरिकों ने सभी प्रशिक्षकों एवं आयोजकों को बधाई दी है। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन गजेन्द्र बोपचे ने किया।

कन्या महाविद्यालय मे पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन पर विशेष व्याख्यान किया गया

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी एवं म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम **Inspired by Nature- For Climate- For Our Future** पर 1 जून से 5 जून 2026 तक मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. ओम प्रकाश सरवैया एवं कार्यक्रम प्रभारी श्री रामदीन भलावी के नेतृत्व में सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दिनांक 1 जून 2026 को पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन पर विशेष व्याख्यान किया गया। जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष रामदीन भलावी ने अपनी व्याख्यान में बताया कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है जो हमें वायु, जल, भोजन और रहने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। आज के युग में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, वायु और जल प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग एवं प्राकृतिक संसाधनों का दोहन पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। इस परिवर्तन के कारण जलवायु परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग, सूखा, बाढ़ और मरुस्थलीकरण जैसी भयानक समस्याएं प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। पर्यावरण संरक्षण से तात्पर्य प्राकृतिक संसाधनों का सही एवं संतुलित उपयोग एवं उनकी रक्षा करना है। अधिक से अधिक पेड़ लगाना, जंगलों की रक्षा करना, जल संरक्षण पर ध्यान देना, सौर एवं पवन ऊर्जा नवीनीकरणीय स्रोतों को अपनाना, कचरे का सही प्रबंधन और पुनर्चक्रण की भी आवश्यकता है। हमारे द्वारा किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ा- बड़ा बदलाव ला सकते हैं।
दिनांक 02 जून 2026 को दी गई कार्यक्रम सारणी के अनुसार महाविद्यालय की छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कॉलेज स्टॉफ के द्वारा परिसर मे साफ-सफाई अभियान चलाकर वृक्षारोपण किया गया। जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन विषय पर छात्राओं को विशेष महत्व समझाते हुये मानव जीवन पर पेड़ पौधे, वायु, जल, मिट्टी एवं पृथ्वी पर पाई जाने वाले प्रत्येक वस्तु मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, इनके बिना पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है।
दिनांक 03 जून 2026 को दी गई थीम पर पोस्टर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जन अभियान परिषद् ने किया नर्मदा नदी की सहायक नदी भगोड़ा का दो दिवसीय सर्वेक्षण

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड घंसौर जिला सिवनी अंतर्गत मां नर्मदा की सहायक नदी भगोड़ा का दो दिवसीय सर्वेक्षण कार्य के लिए प्रस्थान किया, 04 जून को घंसौर विकासखंड के केवलारी पाटन उदगम स्थल से साफ सफाई करने के पश्चात पूजन अर्चन कर सर्वेक्षण यात्रा की शुभारंभ किया गया तथा केवलारी ग्राम में बैठक कर ग्राम के प्रबुद्ध लोगों से भगोड़ा नदी/नाला के बारे जानकारी एकत्रित की गई तत्पश्चात ग्राम कुकरी में चौपाल आयोजित कर जानकारी ली गई इसके बाद केदारपुर होते हुए बरेली,बुढवा होते हुए गोकल थाना,05 जून को सर्रा, घटेरी, प्रतापगढ़ संगम में यात्रा का समापन किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री सौरभ शुक्ला जी, विकासखंड समन्वय श्रीमती मधुबाला चौरसिया जी नवांकुर संस्था श्री राम सेवा समिति, देवरस सेवा संस्थान, सृजन सेवा समिति जय किसान सेवा समिति, ओएसिस समिति, सभी परामर्शदाताओं के सहयोग से निकाली गई द्य जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्रीमती मधुबाला चौरसिया जी ग्रामीण जनों से संवाद किया गया की सहायक नदी होने के साथ-साथ अपने क्षेत्र में इसका योगदान बहुत बड़ा है द्य आज अपने क्षेत्र में जल का भंडार है तो इसका मुख्य कारण भगोड़ा नदी ही है द्य जिला समन्वयक श्री सौरभ शुक्ला जी द्वारा बताया गया की विगत वर्षों द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सर्वे का कार्य किया गया जिसका उद्देश्य वृहत पैमाने पर वृक्षारोपण करना था द्य शुक्ला जी द्वारा बताया गया कि प्रदेश जन अभियान परिषद पूरे मध्यप्रदेश में मां नर्मदा नदी की सहायक नदियों का सर्वेक्षण किया जा रहा है जिसका उद्देश्य है कि सहायक नदियों का जल का संरक्षण करना तथा उसका संचयन करना है।

कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को दी गई जानकारी

ई-फार्म्स किसान, कृषि वैज्ञानिक, केवीके और विस्तार तंत्र के बीच एक उपयोगी सेतु का काम करेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी के दर्पण सभागार में किसानों के लिए ई-फार्म्स ऐप संबंधी जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि 1 जून को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा ई-फार्म्स ऐप का शुभारंभ किया गया था। यह ऐप किसानों को वैज्ञानिक उर्वरक सलाह प्रणाली के माध्यम से उर्वरकों की सही मात्रा, सही समय पर उपयोग तथा बेहतर पोषण प्रबंधन संबंधी जानकारी उपलब्ध कराता है। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक डॉ. निखिल सिंह ने किसानों को फसलवार उर्वरक प्रबंधन, एनपीके की वैज्ञानिक अनुशंसित मात्रा तथा संतुलित पोषण प्रबंधन के संबंध में तकनीकी जानकारी प्रदान की।
कृषि इंजीनियर कुमार सोनी ने किसानों को गूगल प्ले स्टोर से ई-फार्म्स ऐप डाउनलोड करने एवं उसके उपयोग की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि ऐप में फसल का नाम, खेत का क्षेत्रफल एवं अन्य आवश्यक जानकारी दर्ज करने पर किसानों को फसल अनुसार उर्वरक प्रबंधन संबंधी वैज्ञानिक सलाह प्राप्त होती है।
प्रशिक्षण में किसानों को फसलवार उर्वरक सिफारिश, लागत में बचत की संभावना, बेहतर पोषण प्रबंधन तथा खेत-विशिष्ट सलाह के महत्व से अवगत कराया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि उर्वरकों का सही उपयोग तभी संभव है जब मृदा परीक्षण की जानकारी अद्यतन हो तथा फसल की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखा जाए।
विशेषज्ञों ने कहा कि ई-फार्म्स ऐप किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केंद्र तथा विस्तार तंत्र के बीच एक प्रभावी सेतु के रूप में कार्य करेगा और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देगा। कार्यक्रम में डॉ. शेखर सिंह बघेल, डॉ. निखिल सिंह, डॉ. राजेंद्र सिंह ठाकुर, इंजीनियर कुमार सोनी, डॉ. जी.के. राणा, रिलायंस फाउंडेशन के अनुपम गौतम एवं डॉ. अखिलेश कुल्हारे सहित कृषि विज्ञान केंद्र के श्री नीत लाहोरी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं जन-जागरूकता अभियान संपन्न

स्थानीय डी पी चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय एवं डी पी सी रोल मॉडल एक्सीलेंस स्कूल ड्रीमलैण्डसिटी सिवनी के छात्रों द्वारा संयुक्तरूप से विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून के अवसर पर पौधा वितरण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा वृक्षारोपण व जल के महत्व को समझाना था।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के चेयरमेन डॉ.के.के. चतुर्वेदी जी ने विद्यार्थियों एवं नामरिकों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण, तथा वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पृथ्वी के बढ़ते तापमान एवं जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि समय रहते सभी को एक पेड़ अपने परिजनों के नाम पर लगा कर उसे वृक्ष बनाने तक परवरिश करनी होगी भारत के अधिकांश नगर व महानगर 45 डिग्री से लेकर 48 डिग्री तक तापमान के कारण आग की भट्टी की तरह बने हुये हैं, इसलिए तापमान को नियंत्रित करना सभी की जवाबदेही है अतः नगर, गांव, शहर को लगातार वृक्षारोपण करने से ही हराभरा कर तापमान नियंत्रित किया जा सकता है। इस लिए आप सभी शपथ लें कि इस बरसात के मौसम मे एक पेड़ लगाकर उसका तीन वर्षों तक संरक्षण करें। इस अवसर पर छात्र/छात्रओं सहित प्राध्यापकों ने नगर के तीन स्थानों छिन्दवाड़ा चौक, गांधी भवन एवं कचहेरी चौक में पौधा वितरण किया।

होटल, लॉज एवं अस्पतालों का संयुक्त दल ने किया निरीक्षण

दिल्ली अग्निकांड के बाद बालाघाट में सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

दिल्ली के एक रेस्टोरेंट में हुई अग्नि दुर्घटना के मद्देनजर बालाघाट जिले में सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन एवं एसडीएम श्री गोपाल सोनी के आदेश के परिपालन में 5 जून को बालाघाट शहर के विभिन्न होटल, लॉज, लॉन एवं अस्पतालों का निरीक्षण किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार सुश्री छवि पंत के नेतृत्व में नायब तहसीलदार मंजुला महोबिया, पुलिस विभाग, नगर पालिका अमले तथा हल्का पटवारी अजीत तिवारी, अंचल साव एवं संजीव लिल्हारे की संयुक्त टीम द्वारा होटल गुलमोहर, होटल मिड टाउन एवं लाइफ केयर हॉस्पिटल का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई। टीम ने फायर एक्सटिंग्विशर की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, आपातकालीन निकास मार्ग, लिफ्ट सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा उपाय, विद्युत सुरक्षा मानकों, आवश्यक व्यावसायिक प्रमाणपत्रों, भवन अनुमति, स्टाफ की मॉक ड्रिल तथा आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों का परीक्षण किया।

जांच के समय संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालक, प्रबंधक एवं स्टाफ उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। प्रशासन द्वारा बताया गया कि नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस प्रकार की निरीक्षण कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वनस्पति उद्यान गर्रा में वृक्षारोपण संपन्न

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में पहुचें जिला पंचायत सदस्य डुलेन्द्र ठाकरे तथा पूर्व वन समिति अध्यक्ष शेख मंसूर, वार्ड पंच श्रीमति जुबेदा शाह तथा पत्रकार सलीम शाह एवं वन विभाग के कर्मचारियों के द्वारा सर्वप्रथम एक पेड़ माँ के नाम लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वन परिक्षेत्र वारासिवनी के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन वनस्पति उद्यान गर्रा में किया गया था। विभाग के द्वारा फलदार वृक्ष, छायादार वृक्ष तथा पीपल का पेड़ जो कि पूज्यनीय वृक्ष हैं तथा सर्वधिक शुद्ध आक्सीजन जन समुदाय को प्रदान करता हैं। ऐसे सैकड़ों वृक्ष विभाग के द्वारा जनप्रतिनिधियों से रोपित कराएं गए। रोपण कार्य के उपरांत मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कार्यक्रम में पहुंचे जनप्रतिनिधियों के द्वारा पर्यावरण के संबंध में अपनी बात कही गई। सर्वप्रथम जिला पंचायत सदस्य ने अपनी बात रखते हुए कहा कि वृक्ष हमें शुद्ध ऑक्सीजन देने का कार्य करते हैं हमें अपने चारों ओर अधिक से अधिक वृक्षों को लगाना चाहिए तथा उनके पालन पोषण की जिम्मेदारी लेना चाहिए। जिला पंचायत सदस्य के द्वारा कोरोना काल पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि आक्सीजन हमारे लिए, हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं कोविड के समय हमने आक्सीजन का मूल्य पहचाना। वहीं पूर्व वन समिति अध्यक्ष शेख मंसूर, पत्रकार सलीम शाह के द्वारा पर्यावरण पर संवाद करते हुए कहा गया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी मात्र वन विभाग की नही हैं, संपूर्ण जन समुदाय पर्यावरण को सुरक्षित रखने का कार्य करें। अधिक से अधिक वृक्षों को लगाया जाएं। अंत में वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी छत्रपाल जादौन के द्वारा संवाद करते हुए कहा गया कि वन विभाग का कार्य वृक्षारोपण करना हैं, प्राकृतिक स्वयं ही वृक्षों का पालन पोषण करते हुए पर्यावरण को संतुलित करते रहते हैं। किन्तु जन समुदाय से विभाग अपील करता हैं अवैध कटाई की सूचना विभाग को तुरंत दी जाएं। तथा वन प्राणियों का सरंक्षण करना हम सबका दायित्व हैं। कार्यक्रम में इनकी उपस्थिति महत्वपूर्ण रही, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी कनकी भास्कर उइके, तुषार तितरमारे बीट खमरिया, कुंवरलाल नगपुरे बीट पिपरिया, भुनेश्वरी उद्दे बीट कनकी, प्रेमलता बीट गर्रा, अशोक परते विशेष कार्य, राजेश डहरवाल, जगदीश सिंघनदुपे, बुधराम नगपुरे स्थाई कर्मी, शेरसिंह टेकाम तथा सैकड़ो की संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जन अभियान परिषद द्वारा किया गया वृक्षारोपण

किरनापुर। 05 जून को नवांकुर संस्था राज भूषण सोशल सोसाइटी भूआ के सहयोग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिला समनवयक श्री सुशील बुमन जी व ब्लॉक समनवयक रूचिका बैश जी के संयुक्त मार्गदर्शन में सम्पूर्ण जिले में जन अभियान परिषद के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न गतिविधि आयोजित किए गए। इसी कड़ी में राज भूषण सोशल सोसाइटी भूआ के सहयोग द्वारा प्रस्फुटन ग्राम कंडरा के पंचायत भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम को पोलिथिन मुक्त करने तथा ग्राम को स्वच्छ बनाने आदि विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही समिति अध्यक्ष के यहाँ जामून का पेड़ लगाया गया। वैसे ही प्रस्फुटन ग्राम रमगढी मे भी समिति के द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रभारी दिनेश चोरनेले, समिति से प्रकाश कोल्हाटकर, कुमेन्द पटले, रमगढी, कंडरा सरपंच श्री नोहर लाल बागडे, सचिव श्री पारधी जी, भूमेशवर हरिणखेडे पंच, गेंद लाल उईके पंच, पन्नालाल रहांगडाले जी, मे घरात कटरे जी, पंकज कुमार, मूकेश सरमा जी पोष्ट मास्टर आदि सदस्यों व ग्रामीण जनो के सहयोग से कार्य कृम को सफलता प्रदान किया गया।

आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन, 1970 खिलाड़ियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन के जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, बालाघाट तथा जिले के समस्त खेल संघों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ₹आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन शिविर₹ का सफलतापूर्वक समापन हुआ। जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के नेतृत्व में जिले के सभी 10 विकासखंडों एवं जिला मुख्यालय में संचालित विभिन्न खेलों के शिविरों में लगभग 1970 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिविर समाप्त होने के बाद भी नियमित अभ्यास जारी रखना चाहिए तथा खेलों से निरंतर जुड़े रहना चाहिए। उन्होंने बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि यदि मोबाइल का उपयोग किया जाए तो वह अभिभावकों की निगरानी में और केवल शिक्षा व ज्ञानवर्धक उद्देश्यों के लिए होना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि मोबाइल के बढ़ते उपयोग के कारण ग्रामीण एवं पारंपरिक खेल धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं। ऐसे में शासन द्वारा आयोजित खेल शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सराहनीय पहल है।

सेवानिवृत्त आंगनबाड़ी सहायिका से लूट की वारदात, जेवर लूट कर भागे बदमाश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट जिले के लालबर्रा थाना क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े एक सेवानिवृत्त आंगनबाड़ी सहायिका से लूट की वारदात हुई। खेत में काम कर रही 63 वर्षीय लीलनबाई चौधरी के गले और कान से जेवर लूट लिए गए। घटना के बाद महिला ने परिजनों के साथ लालबर्रा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना लालबर्रा थाना क्षेत्र के बघोली गांव में दोपहर के समय हुई। पीड़िता लीलनबाई चौधरी ने बताया कि जब वह खेत में काम कर रही थीं, तभी एक व्यक्ति उनके पास आया और मवेशियों के बारे में पूछ ताछ करने लगा। इससे पहले कि वह कुछ समझ पातीं, उस नकाबपोश बदमाश ने अपने चेहरे से गमछा हटाकर उनके चेहरे पर लपेट दिया और उन्हें जबरन जमीन पर गिरा दिया। बदमाश ने वृद्ध महिला को पकड़कर शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने उनके गले से सोने का मंगलसूत्र और कान की बालियां छीन लीं और मौके से फरार हो गया। घटना से घबराई लीलनबाई घर पहुंचीं और अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि आरोपी की लंबाई अधिक थी, चेहरा चौड़ा था और रंग सांवला था। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से बघोली गांव सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भय का माहौल है।

उत्पादन के नए कीर्तिमान गढ़ रहा मॉयल लिमिटेड, वर्ष 2025-26 में 19.07 लाख टन उत्पादन का रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन कार्यरत सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी उपक्रम ने उत्पादन के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छूते हुए वर्ष 2025-26 में 19.07 लाख टन मैंगनीज अयस्क उत्पादन का ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह उपलब्धि न केवल कंपनी की कार्यकुशलता और दूरदर्शी प्रबंधन का प्रमाण है, बल्कि देश के औद्योगिक विकास में उसके महत्वपूर्ण योगदान को भी रेखांकित करता है।

मॉयल लिमिटेड पिछले कई वर्षों से उत्पादन क्षमता में निरंतर वृद्धि दर्ज कर रहा है। वर्ष दर वर्ष बेहतर प्रदर्शन करते हुए कंपनी ने यह साबित किया है कि आधुनिक तकनीक, नवाचार, श्रमिकों की मेहनत तथा प्रभावी प्रबंधन के समन्वय से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। कंपनी की उत्पादन यात्रा एक मजबूत विकास पथ को दर्शाती है, जिसका परिणाम वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 19.07 लाख टन उत्पादन के रूप में सामने आया है।

कंपनी प्रबंधन के अनुसार यह सफलता खदानों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग, बेहतर संसाधन प्रबंधन, सुरक्षा मानकों के पालन तथा कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रतिफल है। मॉयल द्वारा उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, श्रमिक कल्याण और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। यही कारण है कि कंपनी देश के खनन क्षेत्र में एक आदर्श सार्वजनिक उपक्रम के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है।

मॉयल लिमिटेड देश की मैंगनीज अयस्क आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मैंगनीज इस्पात उद्योग का एक महत्वपूर्ण घटक है और भारत के औद्योगिक विकास में इसकी विशेष आवश्यकता होती है। कंपनी द्वारा उत्पादन में लगातार की जा रही वृद्धि से देश के इस्पात उद्योग को मजबूती मिल रही है तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी बल प्राप्त हो रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मॉयल की यह उपलब्धि भारतीय खनन क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। कठिन परिस्थितियों और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने जिस प्रकार उत्पादन क्षमता में वृद्धि की है, वह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की क्षमता और दक्षता को दर्शाता है। कंपनी भविष्य में भी उत्पादन, गुणवत्ता और नवाचार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंस्टाग्राम की दोस्ती प्यार में बदली, संयुक्त टीम की तत्परता से रुका बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। विकासखंड बैहर की ग्राम पंचायत नव्ही में एक नाबालिग बालिका का बाल विवाह समय रहते रोक दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालिका के अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन में बाल विवाह की सूचना मिलते ही संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। टीम में महिला एवं बाल विकास विभाग की श्रीमती प्रीति हरिनखेड़े, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलेंटियर मानिकराम टेकाम, पुलिस विभाग से सतीश टेकाम एवं नसीब धुर्वे तथा ग्राम पंचायत नव्ही के सरपंच मुकेश मरावी शामिल थे।

जांच के दौरान बालक और बालिका के शैक्षणिक दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। इसमें बालिका की आयु 17 वर्ष 5 माह तथा बालक की आयु 22 वर्ष 7 माह पाई गई। पूछताछ में पता चला कि दोनों की पहचान लगभग एक वर्ष पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। समय के साथ उनकी मित्रता प्रेम संबंध में बदल गई और दोनों ने विवाह करने का निर्णय लिया। इसी दौरान बालिका बिना परिजनों को बताए बालक के घर पहुंच गई थी।

सूचना मिलने पर संयुक्त टीम ने दोनों पक्षों के परिजनों को बुलाकर बाल विवाह की कानूनी स्थिति से अवगत कराया। टीम ने बाल विवाह के दुष्परिणामों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही बताया गया कि बाल विवाह कराना, उसमें सहयोग करना या उसे बढ़ावा देना कानूनन दंडनीय अपराध है। समझाइश और कानूनी परामर्श के बाद बालिका अपने परिजनों के साथ घर लौटने के लिए सहमत हो गई। उसने यह भी आश्वासन दिया कि वैधानिक आयु पूर्ण होने के बाद ही विवाह संबंधी निर्णय लेगी।

बॉथम होंगे जिले के नए आरटीओ

बालाघाट। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार बालाघाट जिले के नए जिला परिवहन अधिकारी के रूप में श्री देवेश बॉथम की पदस्थापना की जा रही है । ज्ञात हो कि कुछ साल पूर्व में बॉथम जी ने कुछ माह जिला परिवहन अधिकारी के रूप में चार्ज संभाला था । अभी ट्रांसफर की नई जारी लिस्ट के अनुसार बालाघाट आरटीओ श्री गढ़पाले जी का स्थानांतरण नरसिंहपुर हो गया जिसके चलते नए आरटीओ की पोस्टिंग बालाघाट में होनी है जो कि अभी जारी होने वाली नई लिस्ट में बॉथम जी का नाम आ जाएगा । अभी बॉथम जी सिवनी आरटीओ के रूप के कार्यरत है ।

'मां की बगिया' योजना में घोटाला: सचिव ने हितग्राही की 23 हजार रुपए की राशि पत्नी समेत 5 लोगों के खाते में डलवाई

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत टेकाड़ी म में मनरेगा की 'मां की बगिया' योजना को पंचायत सचिव गौतम शिंदे ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया। योजना के तहत हितग्राही किसान दुर्गेश गौरे को निजी जमीन पर फलदार बगीचा लगाने के लिए 100 पौधे दिए गए थे। पौधों को 3 साल तक जीवित रखने पर सरकार से 1 लाख 33 हजार रुपए की आर्थिक सहायता मिलनी थी। लेकिन पंचायत सचिव ने हितग्राही की दूसरी किस्त की 23 हजार रुपए की राशि का गबन कर दिया। यह राशि सचिव ने अपनी पत्नी सारिका शिंदे सहित अंजना, शुभम, रोहित और वंदन सूर्यवंशी के बैंक खातों में ट्रांसफर करवा दी। जिसके बाद मूल्यांकन नहीं हुआ तो सरकार से मिलने वाली शेष राशि किसान को आज तक नहीं मिल पाई है। हितग्राही दुर्गेश गौरे ने पहले जनपद पंचायत कटंगी कार्यालय में शिकायत की। अधिकारियों ने शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। इसके बाद किसान ने सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई। जांच दल ने पंचायत सचिव गौतम शिंदे को प्रथम दृष्टया दोषी मान लिया, लेकिन उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू नहीं हुई है। उल्टे जांच दल ही हितग्राही पर सीएम हेल्पलाइन की शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहा है। किसान का कहना है कि जब तक उसे योजना की पूरी राशि 1 लाख 33 हजार रुपए नहीं मिल जाती, वह शिकायत वापस नहीं लेगा। शनिवार 06 जून की दोपहर साढे 03 बजे हितग्राही ने पूरे मामले की जानकारी दी है।

आय बढ़ाने का सपना'

केंद्र और राज्य सरकार की 'मां की बगिया' योजना मनरेगा के तहत संचालित होती है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण किसानों को उनकी निजी भूमि पर फलदार पौधे लगाकर आर्थिक रूप से मजबूत करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। योजना के नियम के अनुसार हितग्राही की भूमि पर 100 फलदार पौधे लगाए जाते हैं। इनमें आम, अमरूद, नींबू, सहजन, आंवला जैसी प्रजातियां शामिल होती हैं। पौधों की जियो टैगिंग और फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। इन पौधों की 3 साल तक देखभाल करने पर सरकार किस्तों में कुल 1 लाख 33 हजार रुपए देती है। पहली किस्त पौधे लगाने और जीवित रखने पर, दूसरी किस्त दूसरे साल और तीसरी किस्त तीसरे साल में दी जाती है। यह राशि सीधे हितग्राही और मजदूरों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से जाती है। किसान दुर्गेश गौरे को वर्ष 2023 में इस योजना का लाभ स्वीकृत किया गया। पंचायत द्वारा उनकी 1 एकड़ निजी जमीन पर 100 फलदार पौधे लगवाए गए। पौधे लगाने के बाद दुर्गेश को पहली किस्त के रूप में 22 हजार 700 रुपए मिल गए। पौधे भी हरे भरे थे। किसान को उम्मीद थी कि 3 साल में बगीचा तैयार हो जाएगा और उसकी आय बढ़ जाएगी।

गबन का खुलासा जब हितग्राही को नहीं मिली राशि

दूसरे साल जब पौधों की दूसरी किस्त जारी होने का समय आया तो दुर्गेश गौरे ने पंचायत सचिव से संपर्क किया। पंचायत सचिव हितग्राही को लगातार गुमराह करते रहे। किसान को शक हुआ तो उन्होंने पड़ताल की तब जाकर पता चला कि उसके नाम से जारी 23 हजार रुपए की राशि 5 अलग लोगों के खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। इनमें पंचायत सचिव गौतम शिंदे की पत्नी सारिका शिंदे का खाता भी शामिल था। बाकी खाते अंजना, शुभम, रोहित और वंदना सूर्यवंशी के नाम से थे। इनमें से किसी का भी 'मां की बगिया' योजना से कोई संबंध नहीं था। न इनकी जमीन पर पौधे लगे थे, न ये हितग्राही थे और ना ही इन्होंने मजदूरी की थी। गबन का पता चलने के बाद दुर्गेश गौरे सबसे पहले जनपद पंचायत कटंगी कार्यालय पहुंचा। उसने लिखित आवेदन देकर पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई और अपनी राशि वापस दिलाने की मांग की। उसने बैंक स्टेटमेंट और योजना के दस्तावेज भी संलग्न किए।

जांच दल के सामने सचिव हाजिर नहीं

जांच दल टेकाड़ी म ग्राम पंचायत पहुंचा। जांच के दौरान दुर्गेश गौरे जांच दल के सामने उपस्थित हुए उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि उन्हें योजना की राशि नहीं मिली है। लेकिन आरोपित पंचायत सचिव गौतम शिंदे जांच दल के सामने पेश नहीं हुआ। न उसने अपना कोई लिखित पक्ष रखा। सूत्रों के अनुसार सचिव ने फोन पर भी जांच दल से बात करने से इनकार कर दिया। जांच दल ने बैंक रिकॉर्ड, मनरेगा की एमआईएस रिपोर्ट और भुगतान की एंट्री खंगाली। जांच में स्पष्ट हुआ कि दुर्गेश गौरे की दूसरी किस्त की 23 हजार रुपए की राशि अनधिकृत रूप से 5 लोगों के खातों में भेजी गई है। जांच दल ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में पंचायत सचिव गौतम शिंदे को प्रथम दृष्टया दोषी माना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सचिव ने अपने पद का दुरुपयोग कर शासकीय राशि का गबन किया है। यह मनरेगा अधिनियम और वित्तीय नियमों का सीधा उल्लंघन है।

NCVT एवं DGE&T से मान्यता प्राप्त...
रोजगार हेतु नियमित केम्पस
न्यूनतम शुल्क
सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण
सर्वाधिक रोजगार
स्वामी विवेकानन्द प्रा. I.T.I.
Admission Open
इलेक्ट्रिशियन
फिटर
मोती तालाब के पास, सुरभि नगर, बालाघाट, मो. 7000627847, 7000482405, 9826324832

ओरिएण्टल इंजीनियरिंग कॉलेज लालबर्रा (बालाघाट)
B.Tech
+ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
+ सिविल इंजीनियरिंग
+ मैकेनिकल इंजीनियरिंग
+ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
Polytechnic
+ माइनिंग एंड माइन सर्वेइंग
+ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
+ सिविल इंजीनियरिंग
+ मैकेनिकल इंजीनियरिंग
+ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
प्रवेश प्रारंभ 2026-27
Balaghat Road Lalburra, Teh, Lalburra, Dist. Balaghat M.P. 9202131331, 9202121331

DGET/NCVT/ से मान्यता प्राप्त
प्रवेश प्रारंभ
जिले की एक मात्र ISO-9001-2008 प्रमाणित संस्था
अरिहंत प्रा.आई.टी.आई.
लालबर्रा रोड गर्रा बालाघाट फोन - 6263882617, 9425875737
- ट्रेड -
इलेक्ट्रीशियन
फिटर
अरिहंत इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर्स & आई.
फोन - 7999525911, 9425892823
BCA
M.Sc.(CS)
DCA
PGDCA
विशेषताएं:-

सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट
ENGINEERING | PHARMACY | AGRICULTURE
ADMISSION OPEN 2026-27
POLYTECHNIC
B.TECH | M.TECH
Part Time/Full Time
• D. PHARMACY
• B. PHARMACY
• M. PHARMACY
• B.Sc. (Hons.)Ag.
• B.Tech (Agri) Engg.
• M.Sc. (Ag.)
ABM
LAW • B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M.
छात्रवृत्ति SC/ST/OBC
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.) 9174192111, 9174202111